आज की वर्कशॉप दो सत्रों में विभाजित है।

प्रथम सत्र विशेष रूप से उभरते हुए ज्योतिषियों के लिए है, जिसमें विषय होगा – "ज्योतिष : कल, आज और कल", अर्थात एक दूरगामी दृष्टि से ज्योतिष का विकास और भविष्य। इस सत्र में हमारे सम्मानीय वक्ता अपने-अपने दृष्टिकोण और अनुभव साझा करेंगे। श्री शिवशंकर लाल साहब, श्री हेमचंद्र पांडे जी,श्री विद्याभूषण सिंह जी तथा आचार्य राजेश जी अपनी व्यापक, बहु-आयामी और अनुभवसमृद्ध ज्योतिषीय यात्रा को उभरते हुए ज्योतिषियों के साथ साझा करेंगे।

द्वितीय सत्र व्यवहारिक ज्योतिष पर केंद्रित होगा, जहाँ विशेषज्ञ अपनी आगामी वर्कशॉप्स की एक झलक प्रस्तुत करेंगे। इसका मुख्य विषय है –

"Effective Predictive System Building in Astrology I"

इस सत्र में–

आदरणीय डॉ. भूपेंद्र पांडेय अपने शास्त्रीय ज्योतिष के अनुभवों पर विचार रखेंगे।

आदरणीय डॉ. निशा शर्मा छात्रों के लिए कौन-सा विषय चुनना अधिक फलदायी होगा, इस पर प्रस्तुति देंगी।

आदरणीय न्यूसी समैया जी शिक्षा हेतु विषय निर्धारण की अपनी स्वयं की व्यवस्थित विश्लेषण पद्धति समझाएँगी।

आदरणीय कविता जैन जी त्वरित प्रश्न-उत्तर में ज्योतिषी का प्रथम वक्तव्य अथवा पहला क्लू क्या हो, इस पर मार्गदर्शन देंगी।

आदरणीय राव साहब विवाह सम्बन्धी प्रश्नों तथा अष्टकवर्ग प्रणाली के व्यावहारिक प्रयोग पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम के आयोजक आदरणीय अनुपम शुक्ल Effective Predictive System Building की पूर्ण संरचना (Architecture) पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

माननीय नीरज चौकसे जी,
जो *'ज्योतिषीय यात्रा में प्रगति कैसे करें–क्या करें और क्या न करें'* इस अपने विचार रखेंगे।

"और अब इस सत्र के अंतिम वक्ता के रूप में–
माननीय कौशिक मित्रा जी,
जो *'एक उभरते ज्योतिषी के रूप में मैंने अपनी यात्रा में किन चुनौतियों का सामना किया और ज्योतिषीय ज्ञान-तंत्र ने मुझे कैसे दिशा दी'* इस प्रेरक विषय पर अपनी कहानी और अनुभव हमारे साथ साझा करेंगे।

आप सभी से आग्रह है कि पूरे सत्र में ध्यानपूर्वक जुड़े रहें।

 आज की वर्कशॉप दो सत्रों में विभाजित है।